vinetur

2026 की पहली छमाही में इतालवी वाइन का निर्यात 6.2% गिरा

अमेरिका में बिक्री 14.1% घटने, कीमतें कम होने और भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से उत्पादकों पर दबाव बढ़ा, हालांकि बाद में निर्यात में सुधार आया

सोमवार, 9 नवंबर 2026



2026 की पहली छमाही में इतालवी वाइन का निर्यात कमजोर पड़ा। साल के बाद के महीनों में अमेरिका को भेजी जाने वाली खेपों में सुधार के बावजूद, उत्पादकों को कमजोर मांग, कम बिक्री कीमतों और भारी भंडार के बीच जूझना पड़ा।

यह तस्वीर 8 नवंबर को प्रकाशित Di Testa e Di Gola के एक विश्लेषण में सामने आई, जिसमें उद्योग के आंकड़ों और देश के प्रमुख वाइन व्यापार संगठन Unione Italiana Vini की टिप्पणियों का हवाला दिया गया। लेख में इस गिरावट को महज अल्पकालिक उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि वैश्विक मांग में व्यापक कमजोरी का संकेत बताया गया।

विश्लेषण में उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में इतालवी वाइन का निर्यात 3.6 अरब यूरो से अधिक रहा, लेकिन एक साल पहले की तुलना में मूल्य के लिहाज से 6.2% और मात्रा के लिहाज से 4% घट गया। इस दौरान

इटली के 10 सबसे बड़े विदेशी बाजारों में से नौ ने खरीदारी कम की। वाइन के लिए इटली के सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में 14.1% की गिरावट दर्ज हुई, जबकि औसत बिक्री कीमत 7.8% कम हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक के 12 महीनों में दबाव खास तौर पर साफ दिखा। इस अवधि में अमेरिकी बाजार में शुल्क संबंधी तनाव रहा। अमेरिका को निर्यात 17% घटा—यानी 340 मिलियन यूरो से अधिक की कमी आई—और वहां भेजी गई मात्रा एक दशक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

इसी दौरान उत्पादकों पर लागत और कीमतों का दबाव भी बढ़ा। विश्लेषण के अनुसार, उत्पादन लागत एक साल पहले की तुलना में 8.9% बढ़ी, जबकि उपभोक्ताओं के लिए वाइन की कीमतें 2.6% घटीं। संरक्षित मूल पदनाम वाली वाइन, यानी DOP वाइन, के भाव गिरकर 1.57 यूरो प्रति लीटर पर आने का भी उल्लेख किया गया। भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर बताया गया, जिससे उन वाइनरी पर दबाव और बढ़ा जो कीमतों में और कटौती किए बिना अपना स्टॉक निकालने की कोशिश कर रही हैं।

कमजोरी सिर्फ विदेशी बाजारों तक सीमित नहीं रही। लेख के अनुसार, जनवरी-मई अवधि में इटली के सुपरमार्केटों में वाइन की बिक्री 2% घट गई। मध्यम आकार की वाइनरी को सबसे अधिक जोखिम वाली कंपनियों में गिना गया, क्योंकि उनके पास न तो सबसे बड़े समूहों जैसा पैमाना है और न ही सहकारी संस्थाओं जैसी बड़े स्तर पर उत्पादन और बिक्री की व्यवस्था।

फिर भी, आंकड़ों में साल के बाद के महीनों में कुछ सुधार भी दिखा। विश्लेषण के मुताबिक, तीसरी तिमाही में अमेरिका को भेजी जाने वाली खेपों में करीब 17% की उछाल आई और औसत कीमतें फिर बढ़ने लगीं। चीन और रूस में लगभग 20% की वृद्धि बताई गई, जबकि ब्राजील में कारोबार सकारात्मक बना रहा। लेख के अनुसार, कमजोर बाजार परिस्थितियों का सामना कर रहे फ्रांस, स्पेन और चिली की तुलना में इटली ने बेहतर प्रदर्शन किया।

उत्पादों के मिश्रण का भी असर पड़ा। स्पार्कलिंग वाइन और व्हाइट वाइन को सबसे मजबूत श्रेणियां बताया गया, जबकि सितंबर में बोतलबंदी 5% बढ़ी। क्षेत्रीय तस्वीर अधिक असमान रही। विश्लेषण के अनुसार, इटली के प्रमुख रेड वाइन क्षेत्रों में से एक पीडमोंट में गिरावट 2% से 6% के बीच रही। बताया गया कि अकेले Asti ने पूर्वी यूरोपीय बाजारों में 20 मिलियन बोतलों का नुकसान दर्ज किया।

Unione Italiana Vini के अध्यक्ष Lamberto Frescobaldi ने इस गिरावट को वैश्विक मांग में संरचनात्मक कमी बताया, जिसे घटती क्रय शक्ति और भू-राजनीतिक तनावों ने और गहरा किया है। व्यापक पेय कारोबार के लिए यह नजरिया अहम है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका जैसे प्रमुख निर्यात बाजार में सुधार भी कीमतों और भंडार पर पड़ रहे व्यापक दबाव की भरपाई के लिए पर्याप्त न हो। यदि ये हालात बने रहते हैं, तो आयातित मादक पेय क्षेत्र में प्रचार बजट, वितरकों की रणनीतियों और प्रीमियम व अधिक मात्रा वाले उत्पादों के बीच संतुलन पर असर पड़ सकता है।

लेख में उद्योग के भीतर इस बात पर भी चर्चा का उल्लेख किया गया कि जवाबी कदम क्या होने चाहिए। व्यापार संगठनों ने इतालवी सरकार से निर्यात प्रोत्साहन के लिए एक असाधारण कोष बनाने की मांग की है। वहीं, विश्लेषण में तर्क दिया गया कि यदि वैश्विक मांग कमजोर बनी रहती है और बहुत अधिक वाइन सीमित मूल्य निर्धारण क्षमता के लिए प्रतिस्पर्धा करती रहती है, तो केवल वित्तीय सहायता से समस्या हल नहीं होगी।

उद्योग की प्रतिक्रिया का एक हिस्सा अब मात्रा के बजाय मूल्य पर केंद्रित हो गया है। विश्लेषण ने अधिक मजबूती को उन उत्पादों से जोड़ा जो पर्यटन, क्षेत्रीय पहचान और प्रीमियम उपभोक्ता अनुभव से जुड़े हों, न कि मुख्य रूप से कमोडिटी के तौर पर बेची जाने वाली वाइन से। इसमें कहा गया कि वाइन पर्यटन में तेज रफ्तार बनी हुई है, जो संकेत देता है कि जब उत्पाद किसी स्थान, गुणवत्ता और यात्रा से जुड़ा हो, तो उपभोक्ता उस पर खर्च करने को तैयार हो सकते हैं।

सूखे और पैदावार घटाने के उद्देश्य वाली नीतियों के कारण 2026 की फसल छोटी रहने की संभावना जताई गई। फसल

कम होने से तहखानों में भरे स्टॉक के दौर के बाद अतिरिक्त आपूर्ति घटाने में मदद मिल सकती है। लेकिन निकट भविष्य में उत्पादकों के सामने चुनौती वही है : घरेलू मांग और सुपरमार्केट बिक्री पर दबाव के बीच निर्यात बाजारों में लाभ मार्जिन बहाल करना।